

उत्तरमध्यमा प्रथमखण्ड

विषय कोड : 715

दर्शनम्
पञ्चम-प्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

निर्देशः—सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

(वस्तुनिष्ठ प्रश्नाः)

1. अधस्तनेषु बहुवैकल्पिकेषु प्रश्नेषु समुचितं उत्तरम् लिखत —
- (1) श्रीमदन्नम्भटानुसारेण गुणभेदाः कति भवन्ति ? 2
 (क) द्वादश (ख) अष्टादश
 (ग) चतुर्विंशति (घ) त्रिंशत्
- (2) गन्धवत्याः पृथिव्याः कति भेदाः ? 2
 (क) दौ (ख) चत्वारः
 (ग) षष्ट् (घ) अष्टौ
- (3) रूपं कतिविधम् ? 2
 (क) द्विविधम् (ख) चतुर्विधम्
 (ग) सप्तविधम् (घ) नवविधम्
- (4) केनोपनिषत्प्रन्थस्य कस्मिन् खण्डे सम्बन्धभाष्य विषयः उद्धृतोऽस्ति ? 2
 (क) प्रथम खण्डे (ख) द्वितीय खण्डे
 (ग) तृतीय खण्डे (घ) चतुर्थ खण्डे
- (5) भाष्यानुक्रमे वाक्यभाष्यः अस्ति ? 2
 (क) प्रथम भाष्यः (ख) द्वितीय भाष्यः
 (ग) तृतीया भाष्यः (घ) न कोऽपि

2. अधस्तनवाक्यानां उचित शब्दं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत -

(विभु, एक, तिस्रः, तर्केण, गुणः)

- | | | | |
|-------|---------------------------------|--------------|---|
| (i) | समवायस्तु | एव। | 2 |
| (ii) | शब्दगुणकमाकाशम्। तच्चैकं | नित्यं च। | 2 |
| (iii) | त्वगिन्द्रियमात्रग्राह्यो | स्पर्शः। | 2 |
| (iv) | “प्रजा ह | अत्यायमीयुः। | 2 |
| (v) | “नैषा | मतिरापनेया”। | 2 |

3. अधस्तनवर्गाणां युग्मलेनं कुरुत -

- | | | | | |
|-------|-------------------------|-----|-------------------------|---|
| (i) | पदार्थ भेदाः | (1) | स्वार्थं परार्थं च | 2 |
| (ii) | चक्षुषा घटप्रत्यक्षजनेन | (2) | ज्योतिषास्ते | 2 |
| (iii) | अनुमानं द्विविधं | (3) | सप्त | 2 |
| (iv) | किं प्रजया करिष्यामो | (4) | संयोगः सन्निकर्षः | 2 |
| (v) | आत्मनैवायं | (5) | येषां नोऽयमात्मायं लोकः | 2 |

4. अधस्तन विषयाणां सत्यम्/असत्यम् पर्यायेषु समीचीनं उत्तरम् लिखत :

- | | | |
|-------|--|---|
| (i) | द्रव्य भेदाः सप्त। | 2 |
| (ii) | तत्र प्रत्यक्षज्ञानकरणं प्रत्यक्षम्। | 2 |
| (iii) | यत्र यत्र धूमस्तत्र तत्र गृहम्। | 2 |
| (iv) | केनोपनिषद् ग्रन्थे अग्नि स्वरूप वर्णनम् अस्ति। | 2 |
| (v) | भाष्यद्वे केनोपनिषद् शाङ्करभाष्यम्। | 2 |

5. अधस्तन वाक्यानां एकशब्देन उत्तरम् लिखत -
- | | | |
|-------|--|---|
| (i) | संयुक्त व्यवहार हेतु गुणं किम् कथ्यते ? | 2 |
| (ii) | तद्भिन्नं ज्ञानम् किम् ? | 2 |
| (iii) | कारणस्य कति भेदाः भवन्ति ? | 2 |
| (iv) | केनोपनिषद् ग्रन्थस्य तृतीय खण्डे कस्य प्रादुर्भावस्य वर्णनम् अस्ति ? | 2 |
| (v) | चतुर्थ खण्डे उमायाः उपदेश विषयः किम् अस्ति ? | 2 |

(लघुत्तरीया प्रश्नाः)

6. अधस्तनप्रश्नानां एकवाक्येन उत्तरम् लिखत -
- | | | |
|-------|---------------------------------------|---|
| (i) | कर्माणि कति विधानि भवन्ति ? | 5 |
| अथवा | | |
| | समवाय लक्षणम् लिखत। | |
| (ii) | कालस्य लक्षणम् लिखत। | 5 |
| अथवा | | |
| | दिशो लक्षणम् लिखत। | |
| (iii) | गन्धस्य लक्षणम् तद्भेदाश्च प्रदर्शयत। | 5 |
| अथवा | | |
| | स्पर्शस्य लक्षणम् तद्भेदाश्च लिखत। | |
| (iv) | गुरुत्वस्य लक्षणम् लिखत। | 5 |
| अथवा | | |
| | पक्षधर्मताया लक्षणम् लिखत। | |

7. अधस्तन प्रश्नानां न्यूनतमा पञ्चाशताधिकशतशब्देषु उत्तरम् लिखत -
- | | | |
|------|--|----|
| (i) | तेजसो लक्षणं तद्भेदाश्च सविस्तरम् लिखत। | 15 |
| अथवा | | |
| | पराऽर्थाऽनुमानस्य स्वरूपम् सविस्तरम् लिखत। | |

(ii) न तत्र चक्षुर्गच्छति न वाग्गच्छति नो मनो न विद्वो न विजानीमो यथैतदनुशिष्यादन्यदेव तद्विदितादथो
अविदितादधि इति शुश्रुम पूर्वेषां ये नस्तद्वयाचक्षिरे। इति मन्त्रस्य भाज्यद्वे सविस्तरम्
लिखत्।

15

अथवा

यन्मनसा न मनुते येनाहुर्मनो मतम्।

तदेव ब्रह्म त्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते ॥

इति मन्त्रस्य भाष्यम् सविस्तरम् लिखत्।